हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 103 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 12 अक्टूबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

समाज में लिंग भेद की भावना को खत्म करने की है जरूरत : रेखा आर्या 3

देवभूमि में PM मोदी का दौरा होगा ऐतिहासिक : मुख्यमंत्री

साढ़े चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का PM करेंगे उद्घाटन और लोकार्पण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 अक्टूबर , एक बार फिर अपने पहाड़ी राज्य के दौरे पर आ रहे पीएम नरेंद्र मोदी साढ़े चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड की यात्रा पर रहेंगे। वह यहां मंदिरों में पूजन-अर्चन के साथ विभिन्न समुदायों से संवाद करेंगे। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी साढ़े चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात देंगे। सीएम धामी और पूरी सरकार इस दौरे को ऐतिहासिक बनाने में जुटी है।

प्रधानमंत्री सुबह करीब साढ़े आठ बजे पिथौरागढ़ जिले के जोलिंगकोंग पहुंचेंगे। यहां वह पार्वती कुंड में पूजा और दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री इस स्थान पर पवित्र आदि-कैलाश से आशीर्वाद की कामना भी करेंगे। यह क्षेत्र अपने आध्यात्मिक महत्व और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है। इसके बाद प्रधानमंत्री सुबह करीब साढ़े नौ बजे पिथौरागढ़ जिले के गुंजी गांव पहुंचेंगे। गुंजी गांव में वह गांववालों से बातचीत करेंगे। यहां वह स्थानीय कला और उत्पादों पर आधारित एक प्रदर्शनी भी देखेंगे। वे सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कर्मियों के साथ बातचीत भी करेंगे।

पिथौरागढ़ के बाद प्रधानमंत्री दोपहर में अल्मोड़ा पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर करीब 12 बजे अल्मोड़ा के जागेश्वर में जागेश्वर धाम में पूजा और दर्शन करेंगे। लगभग 6200 फीट की ऊंचाई पर स्थित जागेश्वर धाम में लगभग 224 पत्थर के मंदिर हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री दोपहर करीब 2:30 बजे पिथौरागढ़ पहुंचेंगे। यहां वह ग्रामीण विकास, सड़क, बिजली, सिंचाई, पेयजल, बागवानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों से जुड़ी लगभग 4200 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री कई दर्जन परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। पीएमजीएसवाई के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित 76 ग्रामीण सड़कें और 25 पुल; 9 जिलों में बीडीओ कार्यालयों के 15 भवन; केंद्रीय सड़क निधि के तहत निर्मित तीन सड़कों, अर्थात कौसानी बागेश्वर सड़क, धारी-दौबा-गिरिछीना सड़क और नगला-किच्छा सड़क, का उन्नयन; राष्ट्रीय राजमार्गों, अर्थात अल्मोड़ा पेटशाल - पनुवानौला - दन्या (एनएच 309बी) और टनकपुर - चल्थी (एनएच 125) पर दो सड़कों का उन्नयन; पेयजल से संबंधित तीन परियोजनाएं, यानि 38 पंपिंग पेयजल योजनाएं, 419 गुरुत्वाकर्षण आधारित जल आपूर्ति योजनाएं और तीन ट्यूबवेल आधारित जल आपूर्ति योजनाएं; पिथोरागढ़ में थरकोट कृत्रिम झील; 132 केवी पिथौरागढ-लोहाघाट (चंपावत) बिजली पारेषण लाइन; उत्तराखंड में 39 पुल और विश्व बैंक द्वारा वित्त-पोषित उत्तराखंड आपदा रिकवरी परियोजना के तहत देहरादून में निर्मित उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) भवन आदि का लोकार्पण करेंगे।

इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। वह 21,398 पॉली-हाउस के निर्माण की योजना का शिलान्यास करेंगे। इससे फूलों और सब्जियों का उत्पादन बढ़ाने और उनकी गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी। सघन सेब के बगीचों की खेती के लिए एक योजना को शुरू करेंगे। साथ ही एनएच सड़क अपग्रेडेशन के लिए पांच परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा राज्य भर के 20 मॉडल डिग्री कॉलेजों में छात्रावास और कंप्यूटर लैब का विकास; सोमेश्वर, अल्मोड़ा में 100 बिस्तरों वाला उप जिला अस्पताल; चंपावत में 50 बिस्तरों वाला अस्पताल ब्लॉक; हल्दवानी स्टेडियम, नैनीताल में एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड, रुद्रपुर में वेलोड्रोम स्टेडियम; जागेश्वर धाम (अल्मोड़ा), हाट कालिका (पिथौरागढ़) और नैना देवी (नैनीताल) मंदिरों सहित मंदिरों की अवसंरचना के विकास के लिए मानसखंड मंदिर माला मिशन योजना; हलद्वानी में पेयजल की व्यवस्था से जुड़ी परियोजनाएँ, सितारगंज, उधम सिंह नगर में 33/11 केवी उपकेंद्र का निर्माण आदि का शिलान्यास करेंगे।

जेल के कैदियों के अच्छे दिन लाएगी धामी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 अक्टूबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में जेल विकास बोर्ड की बैठक में कारागारों में श्रम में नियोजित बन्दियों के न्यूनतम मजदूरी दरों को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है । दैनिक पारिश्रमिक कुशल के लिए 67 रूपये से बढ़ाकर 85 रूपये, अर्द्धकुशल के लिए 52 रूपये से बढ़ाकर 65 रूपये और अकुशल के लिए 44 रूपये से बढ़ाकर 55 रूपये दिये जाने का निर्णय लिया गया। राज्य के सभी कारागारों में बेकरी यूनिट की स्थापना की जायेगी। 2 फरवरी को जिला कारागार देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा बेकरी यूनिट का शुभारंभ किया गया, इसके अच्छे परिणाम आने के बाद यह निर्णय लिया गया।

बन्दियों के न्यूनतम मजदूरी दरों को बढ़ाने का निर्णय - मुख्यमंत्री

सम्पूर्णानन्द शिविर (खुली जेल) सितारगंज में अच्छी नस्ल की 10 गाय क्रय करने पर सहमति बनी। सम्पूर्णानन्द शिविर (खुली जेल) सितारगंज में शिविर की 5 बीघा भूमि पर विभिन्न प्रजाति के फलदार तथा औषधीय पौधों की पौधशाला की स्थापना के लिए बैठक में सहमति बनी। इसके लिए प्रशिक्षण, देखरेख एवं खरीद की सभी व्यवस्था उद्यान विभाग करेगा। इस पौधशाला केन्द्र से 50 से 60 बंदियों को श्रम पर नियोजित किया जा सकेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि कारागारों में निरूद्ध बन्दियों के कौशल विकास के लिए कौशल विकास विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। बन्दियों की रूचि एवं योग्यता के अनुसार विद्युतकार, वेल्डर, कारपेन्टर, सिलाई, बढ़ई जैसे व्यवसायों का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

बन्दियों को कौशल विकास विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा

पहले चरण में 500 बन्दियों को प्रशिक्षित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। बंदी वस्त्रों की धुलाई के लिए देहरादून और हरिद्वार कारागारों में लॉड्री मशीन की व्यवस्था की जायेगी। जिला कारागार, हरिद्वार में संचालित पावरलूम उद्योग का आधुनिकीकरण किया जायेगा। फर्नीचर उद्योग के लिए इमारती लकड़ी की खरीद के लिए वन निगम से वार्ता करने के निर्देश दिये गये। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारागारों में बन्दियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए रिक्त 11 चिकित्सकों के पदों की उपलब्धता के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाय।

सबसे ज्यादा दूध देती हैं इजरायल की गायें, रोबोट निकालते हैं मिल्क

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अक्टूबर , इजरायल कई मामलों में दुनिया में सबसे आगे है. इन्हीं में एक है गायों के जरिए दूध उत्पादन. इजरायल की गाय दूध देने के मामले में दुनिया में सबसे आगे हैं. वो सबसे ज्यादा दूध का उत्पादन करती हैं. इजरायल दुनिया का वो देश है, जहां गायें ना केवल उनकी सबसे अच्छी तरह देखरेख की जाती है बल्कि कहा जाता है कि ये देश गायों का सबसे बेहतरीन मैनेजमेंट करता है. साथ ही इस देश की डेयरी फार्मिंग को भी सबसे उम्दा कहा जाता है. दूध देने के रोजाना के प्रतिशत पर नज़र डालें तो भारतीय गाय - 7.1, ब्रिटिश गाय - 25.6, अमेरिकी गाय - 32.8, इजराइली गाय - 38.7 किलोग्राम के हिसाब से दूध देती है. इजराइल की डेरी फार्मिंग दुनिया भर में मशहूर है. वहां की Herzliya City को इजराइल की डेरी की राजधानी कहा जाता है.

पूरे इजराइल में 1000 के आसपास डेयरी फार्म हैं. ये फार्म दूध और अन्य डेयरी उत्पादों की लगभग 80 फीसदी घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त दूध का उत्पादन करते हैं. 2016 में, इज़राइली डेयरी फार्मों ने लगभग 1,450 मिलियन लीटर गाय के दूध का उत्पादन किया, जिसका मूल्य लगभग 2.5 बिलियन डॉलर था. गर्म मौसम

का मुकाबला करते हुए, इज़राइली किसान अपनी गायों को कूलिंग सिस्टम से सही तापमान रखते हैं, जो उनके लिए ठीक रहे. इज़राइली डेयरी फ़ार्म पर आपको दुनिया की कुछ सबसे उन्नत तकनीक मिलेगी, जो लगातार उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई है. दुनियाभर में इजरायल के डेयरी फार्म से प्रेरणा ली जा रही है. भारत से भी कई टीमें इजराइली डेयरी से ट्रेनिंग के लिए जा चुकी हैं. भारत के अलावा चीन, वियतनाम और कनाडा में भी इजराइल से प्रभावित होकर डेयरी प्रोडक्ट लाए गए

इज़राइल की अधिकांश डेयरियां सहकारी हैं, जिनका विकास 20वीं सदी की शुरुआत में हुआ था. आमतौर पर इन डेयरियों में गायों को साथ रखते हैं और उनके भोजन और उत्पादन के अनुसार उनके अलग अलग झुंड बना दिए जाते हैं. गायों के दूध उत्पादन में ये भी देखते हैं कि उनके दूध में प्रोटीन और वसा की मात्रा मानक के अनुरूप है या नहीं. इजराइल में सभी डेयरियां इजरायल डेयरी बोर्ड (उत्पादन और विपणन) के नीतियों द्वारा ही चलती हैं. सभी का सालाना कोटा तय है. दूध को प्रोसेस करना कानूनी तौर पर जरूरी है. कानून के मुताबिक, कोई भी डेयरी फार्म असंसाधित दूध का उत्पादन या विपणन नहीं कर सकता.

इज़राइल का डेयरी उद्योग दो इज़राइली कंपनियों - अफिमिल्क और एससीआर इंजीनियरिंग द्वारा विकसित उन्नत दूध देने वाली तकनीकों का उपयोग करता है. सभी गायों से रोबोटिक तरीके से ही दूध निकाला जाता है, ये रोबोटिक प्रक्रिया यहां 1999 में शुरू की गई थी. 75 फीसदी से अधिक गायों का दूध इलेक्ट्रॉनिक दूध मीटर से या दूध दुहने वाले रोबोटों से निकाला जाता है. सभी गायों की पशु चिकित्सक के जरिए लगातार जांच भी होती है

देहरादून से मसूरी बीच जल्द शुरू हो रही है हेलीकॉप्टर सेवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 अक्टूबर : पर्यटन उत्तराखंड की आर्थिकी की रीढ़ है। राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़ी परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिसके सुखद नतीजे भी देखने को मिले हैं। इसी कड़ी में देहरादून के गढ़ी कैंट से मसूरी के बीच हेली सेवा शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो आने वाले वक्त में पर्यटक देहरादून से मसूरी तक का सफर हवाई सेवा के जरिए कर सकेंगे। इसी कड़ी में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज मसूरी पहुंचे, जहां उन्होंने सर जॉर्ज एवरेस्ट क्षेत्र का दौरा किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सतपाल महाराज ने ऑल टेरेन व्हीकल का भी निरीक्षण किया।

सर जॉर्ज एवरेस्ट क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही के लिए इसका उपयोग किया जाना

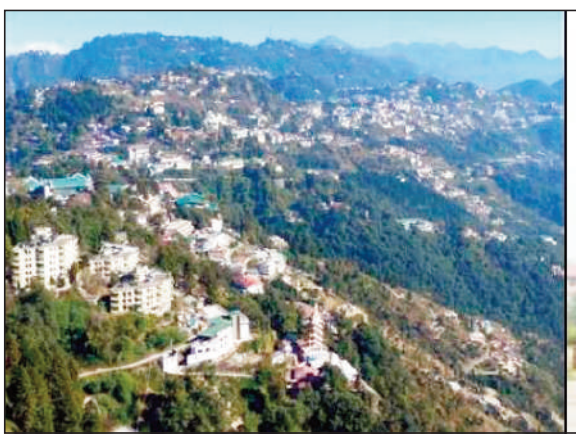

है, ताकि यहां आने वाले लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान सतपाल महाराज ने भविष्य की योजनाओं के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यहां देश का पहला कार्टोग्राफिक म्यूजियम बनाया गया है जो लोगों के लिये आकर्षण का केंद्र बन रहा है। जल्द ही जार्ज एवरेस्ट से हिमालयन दर्शन के लिए हेली सेवा शुरू हो जाएगी। देहरादून के गढ़ी कैंट से मसूरी के लिए हेली सेवा शुरू की जाएगी। इससे लोग जाम में फंसे बिना मसूरी पहुंच सकेंगे। स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटक भी हेली सेवा का आनंद ले सकेंगे। जॉर्ज एवरेस्ट पर लोगों को दी जा रही सुविधाएं पर्यटन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। मसूरी शहर पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय है, यहां जॉर्ज एवरेस्ट हेलीपैड को राधानाथ सिकदर को समर्पित किया गया है। जिन्होंने माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई को मापा था। आने वाले वक्त में यहां हवाई सेवाओं का विस्तार किया जाएगा।

हिमालय पर्वत या प्रशांत महासागर के ऊपर से क्यों नहीं उड़ते प्लेन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अक्टूबर , बहुत सी चीज़ें इस दुनिया में हैं, जो मौजूद हैं लेकिन इसके पीछे की वजह कोई नहीं जानता है. हालांकि हर चीज़ के पीछे अपनी एक वजह ज़रूर होती है. कई बार ये वजह वैज्ञानिक होती है तो कई बार परंपरागत भी. हम इनसे संतुष्ट भी कभी होते हैं तो कभी नहीं हो पाते. ऐसी ही चीज़ों को लेकर मज़ेदार सवाल लोग इंटरनेट पर खूब पूछते हैं.ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कोरा पर लोग अपने मन की जिज्ञासा शांत करने के लिए तरह-तरह के सवाल करते हैं और यूज़र्स अपनी जानकारी के मुताबिक उनका जवाब देते हैं. ऐसा ही सवाल किसी ने पूछा कि कभी आपने सोचा है कि आखिर एयरलाइंस माउंट एवरेस्ट या फिर प्रशांत महासागर के ऊपर से क्यों नहीं उड़ती हैं. आखिर वो क्या वजह है, जो हमेशा इस रूट से बचकर ही चलने में भलाई समझी जाती है.

क्यों इन रास्तों से नहीं उड़ती प्लेन ?

हिमालय और प्रशांत महासागर के ऊपर से उड़ानें भरने से एयरक्राफ्ट इसलिए बचते हैं क्योंकि ये फ्लाइट के लिए सही स्थितियां नहीं हैं.

आम तौर पर फ्लाइट हवा में 30 हज़ार फीट की ऊंचाई पर उड़ती है, ताकि मौसम के बदलाव या किसी और अप्रिय घटना से बचा जा सके. हिमालय में सभी चोटियों की ऊंचाई आमतौर पर 20 हज़ार फीट से ऊंची हैं, ऐसे में ये उड़ान भरने के लिए ठीक नहीं हैं. यहां हवा की गति भी असामान्य रहती है और ऑक्सीज़न भी कम होता है, ऐसे में यात्रियों को भी दिक्कत हो सकती है. यहां मौसम भी तेज़ी से बदलता रहता है और कभी भी आपात स्थिति आ सकती है.

सिर्फ श्रृंगार ही नहीं सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं चूड़ियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अक्टूबर , हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं के हाथ में चूड़ियां होना काफी शुभ माना जाता है. शादीशुदा महिलाओं द्वारा चूड़ियां पहनने का विधान है. महिलाओं द्वारा पहनी गईं ये चूड़ियां जहां एक ओर उनकी सुंदरता में चार-चांद लगाती हैं. वहीं, दूसरी ओर यह उनकी हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होती हैं.आयुर्वेद के अनुसार, कलाई के 6 इंच नीचे तक में जो एक्यूपंचर पॉइंट्स होते हैं, इन्हें समान दबाव से दबाए जाने पर शरीर में ऊर्जा का संचार होता है. इसके साथ ही चूड़ियां हाथ में घर्षण करती हैं. इससे हाथों में रक्त संचार बढ़ता है. विज्ञान की मानें तो यही घर्षण ऊर्जा को बनाए रखता है और थकान मिटाता है.

ज्योतिष के अनुसार भी हैं फायदेमंद

कांच की चूड़ियां पहनने से उसकी खनक घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखती है. वहीं, धार्मिक मान्यता है कि चूड़ियां सुहाग और सौभाग्य का प्रतीक होती हैं.

हेल्थ को मिलते हैं ये फायदे : कम हो जाती है इन रोगों के होने की संभावना- कलाई में चूड़ियां या गहने पहनने से महिलाओं को सांस से

जुड़े और हृदय रोग होने की संभावना कम हो जाती है.

रक्त प्रवाह होता है अच्छा- हाथ में चूड़ियां पहनने से रक्त का प्रवाह अच्छा होता है.

थकावट होती है दूर- चूड़ी पहनने की वजह से होने वाले घर्षण से शरीर में ऊर्जा पैदा होती है.

मानसिक संतुलन होता है बेहतर- चूड़ी पहनने से महिलाओं का मानसिक संतुलन बना रहता है. चूड़ियों की खनक से वातावरण में सकारात्मकता फैलती है.

समाज में लिंग भेद की भावना को खत्म करने की है जरूरत : रेखा आर्या

समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महिलाओं का सदैव ही रहा है उल्लेखनीय योगदान : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ बेटियां हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत दिखाते हुए देश व प्रदेश का नाम कर रही है रोशन : रेखा आर्या

हल्द्वानी , 12 अक्टूबर , अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के सुअवसर पर हल्द्वानी स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में जिले की प्रभारी मंत्री व उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की जहां पार्टी कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी कार्यक्रतियो ने उनका स्वागत किया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।इस दौरान प्रभारी मंत्री ने उपस्थित छात्राओं को संबोधित किया और कहा कि समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महिलाओं का सदैव ही उल्लेखनीय योगदान रहा है ,हमे उनके योगदान को भूलना नही चाहिए।आज अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के सशक्तिकरण से आगे बढ़कर उनके भीतर छिपी प्रतिभा को सम्मान देने का एक अवसर है।

25 मेधावी बालिकाओं को सम्मानित 1200 बालिकाओं को सेनेटरी पैड और 30 महिलाओं को महालक्ष्मी किट किये वितरित

प्रभारी मंत्री ने कहा कि हमारे समाज मे बेटियों का जन्म होना कभी अभिशाप माना जाता था लेकिन बदलते समय व बढ़ते शिक्षा के संसाधनों के कारण आज इस अभिशाप को बेटियों ने हर क्षेत्र में अपना परचम लहराते हुए तोड़ने का कार्य किया है।आज हमें अभी भी यह महसूस होता है कि समाज मे लिंग भेद की भावना कहीं ना कहीं मौजूद है जिसे पूरी तरह खत्म करने के लिए हर माता-पिता और हमारे समाज को आगे आना होगा ताकि हम यह कह सके कि हमारी बेटियां बेटों से कम हैं क्या।आज हमारी बेटियों ने हर क्षेत्र में आगे बढ़ कर अपनी काबिलियत दिखाई है साथ ही अन्य लोगो के लिए भी प्रेरणास्रोत बनी हैं।हमारी बेटियों ने अपनी मेहनत,लगन व दृढ़ इच्छाशक्ति से आज यह साबित कर दिया है कि वह आज कुछ भी करने में सक्षम हैं।कहा कि आप सभी बेटियों ने आज यह साबित कर दिया है कि शिक्षा आज हमारा सबसे बड़ा हथियार है,और इसी के बलबूते हम हर चुनोती का मुकाबला कर सकते हैं।

वहीं उन्होंने कहा कि आज महिलाओ के लिए प्रधानमंत्री जी ने लोकसभा व विधानसभा में 30 पर्तिशत का आरक्षण लागू कर दिया है ।निश्चित ही आने वाले समय मे हमारी भागीदारी यहां पर बढ़ेगी और हम एक सशक्त भारत के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे।साथ ही कहा कि आज हमारी बेटियां हर एक क्षेत्र में आगे बढ़ रही है।

साथ ही बालिका दिवस के इस कार्यक्रम में बेटियों की अधिक प्रतिभागिता इस बात का संकेत है कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं।वहीं इस दौरान 25 मेधावी बालिकाओं व उनकी माताओं को सम्मानित किया,साथ ही 1200 बालिकाओं को सेनेटरी पैड और 30 महिलाओं को महालक्ष्मी किट भी वितरित किए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट ,जिला पंचायत अध्यक्षा बेला तोलिया ,जिला महामंत्री रंजन बगेली ,जिला महामंत्री नवीन भट्ट ,अनुसूचित मोर्चा जिला महामंत्री रविन्द्र बाली ,ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री वीरेन्द्र जायसवाल , डीपीओ मुकुल चौधरी ,प्रधानाचार्य सुधा जोशी सहित विभागीय अधिकारीगण,पार्टी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी बहनें व समस्त छात्राएं उपस्थित रहे।

उत्तराखंड : प्रदेश में पहली बार पर्यटक स्थलों का कराया जाएगा सर्वे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 अक्टूबर : उत्तराखंड में देश-दुनिया से आने वाले पर्यटकों का पहली बार सर्वे किया जाएगा। विदेशी और घरेलू पर्यटकों को राज्य में घूमने फिरने के लिए सबसे ज्यादा कौन सा स्थान पसंद है। साथ ही धार्मिक व साहसिक समेत अन्य किन पर्यटन गतिविधियों के लिए उत्तराखंड आते हैं और उन्हें किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा है। इसे जानने के लिए प्रदेश भर में अलग-अलग पर्यटक स्थलों पर सर्वे किया जाएगा।

हर साल लगभग पांच करोड़ पर्यटक उत्तराखंड आते हैं। इसमें चारधाम यात्रा में आने वाले तीर्थयात्री भी शामिल हैं। गर्मियों की छुट्टियां बिताने, वीकेंड, नए साल का जश्न, राफ्टिंग, पर्वतारोहण, अध्यात्म के लिए देश-विदेश से पर्यटक यहां आते हैं। राज्य में आने वाले पर्यटकों का रुख जानने को पर्यटन विभाग ने सर्वे का खाका तैयार किया है। जिसके आधार पर पर्यटकों से फीडबैक लिया जाएगा।सर्वे के दौरान पर्यटकों से कई सवालों पर जवाब लिया जाएगा। उत्तराखंड में कौन सा पर्यटक स्थल पसंद है। धार्मिक, साहसिक के अलावा अन्य पर्यटन गतिविधियों के लिए पर्यटक यहां आना चाहता है। हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून, मसूरी, नैनीताल, भीमताल, लैंसडौन, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी समेत प्रदेश के कई पर्यटकों पर सर्वे कराया जाएगा।

पर्यटन विभाग ने सर्वे के लिए एजेंसी का चयन करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। अपर सचिव पर्यटन युगल किशोर पंत का कहना है कि प्रदेश में किस क्षेत्र और पर्यटन के लिए घरेलू और विदेशी पर्यटक उत्तराखंड में आते हैं। इसे जानने के लिए सर्वे कराया जाएगा। सर्वे से प्राप्त होने वाला डाटा भविष्य में पर्यटन विकास योजना बनाने में मददगार साबित होगा।

देहरादून : सड़क दुर्घटना करने वाले वाहन चालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ लापरवाही से वाहन चलाते हुए 02 स्कूली बच्चों को मारी थी टक्कर ,01 बच्चे की हो गई थी मृत्यु

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 अक्टूबर : थाना रायवाला को रायवाला क्षेत्रान्तर्गत शांति मार्ग तिराहा हरिपुर कला रायवाला के पास एक्सीडेंट की सूचना प्राप्त हुयी थी जिस पर तत्काल स्थानीय पुलिस मौके पर पहुची । तथा ज्ञात हुआ कि वाहन संख्या UK08 CB-1595 ट्रक के चालक द्वारा वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाने के कारण ट्यूशन से आ रहे बच्चो (कार्तिक व कृष्णा) को टक्कर मार दी है टक्कर लगने के कारण कृष्ण उम्र- 12 वर्ष की मौके पर ही मृत्यु हो गयी थी तथा कार्तिक जो की घायल था उसे तत्काल 108 के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया ।घटना के संबंध में तत्काल कार्यवाही करते हुए वादी विपिन कश्यप पुत्र स्व0 रतन सिंह निवासी भागीरथी धाम आश्रम के पास हरिपुर कला थाना रायवाला देहरादून की लिखित तहरीर पर वाहन संख्या चालक उपरोक्त के विरुद्ध तत्काल मु0अ0स0 131/23 धारा 279/304 ए/337 भादवि पंजीकृत किया गया। थाना रायवाला पुलिस टीम द्वारा घटना से सम्बन्धित वाहन को बरामद कर वाहन चालक को दिनांक 10.10.2023 को गिरफ्तार किया गया ।

उत्तराखण्ड को
₹ 4200 करोड़
की परियोजनाओं का उपहार

इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल, खेल एवं पर्यटन, आपदा प्रबंधन, बागवानी से जुड़ी कुल 23 विकास परियोजनाओं का

उत्तराखण्ड को महत्व देने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद। हम निश्चित रूप से मोदी जी की आकांक्षाओं का उत्तराखण्ड बनाएंगे। प्रदेश के लिए उनका योगदान वृहद एवम् महत्वपूर्ण है। उत्तराखण्ड से उनका रिश्ता मर्म एवं कर्म का है। प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हरसंभव प्रयास। आज उत्तराखंड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

लोकार्पण एवं शिलान्यास
प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
के कर कमलों द्वारा

शिलान्यास
₹ 2845 करोड़ की 13 परियोजनाएँ

किसानों की आय में होगी वृद्धि
- 21398 पॉली-हाउस निर्माण की योजना
- उच्च घनत्व वाले सघन सेब बागानों की योजना

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास
- राष्ट्रीय राजमार्गों पर 02 लेन एवं ढलान उपचार के 05 कार्य
- राज्य में 32 पुलों का निर्माण

आपदा प्रबंधन को मजबूती
- एसडीआरएफ के तहत अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे और बचाव उपकरणों को मजबूत करना
- देहरादून में राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (SEOC) का अपग्रेडेशन
- बलियानाला, जनपद नैनीताल में भूस्खलन की रोकथाम हेतु उपचार

शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं का विस्तार
- 20 मॉडल डिग्री कॉलेजों में होस्टल और कंप्यूटर लैब का निर्माण
- सोमेश्वर, अल्मोड़ा में 100 बिस्तरों वाला उप जिला अस्पताल
- चंपावत में 50 बिस्तरों वाले अस्पताल ब्लॉक का निर्माण
- रूद्रपुर में वेलो-ड्रोम निर्माण कार्य
- स्पोर्ट्स स्टेडियम, हल्द्वानी में एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान का निर्माण

चार धाम की भांति मानसखंड के मंदिर क्षेत्रों का विकास
- मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत जागेश्वर धाम, हाट कालिका एवं नैना देवी मंदिर में अवस्थापना सुविधाओं का विकास

गरिमामयी उपस्थिति

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड	अजय भट्ट कैबिनेट रक्षा मंत्री
मंत्री, उत्तराखंड सरकार	सांसद
सतपाल महाराज	डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'
गणेश जोशी	अजय टम्टा
धनसिंह रावत	कल्पना सैनी
प्रेमचंद अग्रवाल	नरेश बंसल
सुबोध उनियाल	रेखा आर्या
डॉ. धन सिंह रावत	रेखा वर्मा
सौरभ बहुगुणा	

12 अक्टूबर, 2023 (बृहस्पतिवार)
समय : अपराह्न 2:30 बजे

स्थान : श्री सुरेन्द्र सिंह वल्दिया
स्पोर्ट्स स्टेडियम, पिथौरागढ़

लोकार्पण
₹ 1349 करोड़ की 10 परियोजनाएँ

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास
- पीएमजीएसवाई के तहत 76 सड़कें
- पीएमजीएसवाई के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 25 पुल
- 09 जिलों में 15 ब्लॉक कार्यालय भवन
- केन्द्रीय सड़क निधि के अन्तर्गत 03 सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य
  - कौसानी - बागेश्वर रोड
  - धारी - डोबा - गिरेथिना रोड
  - नगला - किच्छा एस एच रोड डबल लेन
- राष्ट्रीय राजमार्गों को 2 लेन एवं सुदृढ़ीकरण करने का कार्य
  - एन एच 309 बी - अल्मोड़ा - पेट्सल - पनुआनौला - दन्या
  - एन एच - टनकपुर - चत्थी
- प्रदेश में 39 पुल एवं देहरादून में यूएसडीएमए भवन

पर्वतीय क्षेत्रों में पेयजल और बिजली सुविधाओं की उपलब्धता
- 38 ग्रामीण पंपिंग पेयजल योजनाएं और 03 ट्यूबवेल आधारित पेयजल योजनाएं
- 419 ग्रामीण ग्रेविटी पेयजल योजनाएं
- थरकोट, पिथौरागढ़ में कृत्रिम झील
- 132 केवी पिथौरागढ़-लोहाघाट-चंपावत ट्रांसमिशन लाइन

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

उत्तराखण्ड को ₹ 4200 करोड़ की परियोजनाओं का उपहार

इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल, खेल एवं पर्यटन, आपदा प्रबंधन, बागवानी से जुड़ी कुल 23 विकास परियोजनाओं का

उत्तराखण्ड को महत्व देने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद। हम निश्चित रूप से मोदी जी की आकांक्षाओं का उत्तराखण्ड बनाएंगे। प्रदेश के लिए उनका योगदान वृहद एवम् महत्वपूर्ण है। उत्तराखण्ड से उनका रिश्ता मर्म एवं कर्म का है। प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हरसंभव प्रयास। आज उत्तराखंड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

लोकार्पण एवं शिलान्यास

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
के कर कमलों द्वारा

शिलान्यास
₹ 2845 करोड़ की 13 परियोजनाएँ

किसानों की आय में होगी वृद्धि

- 21398 पॉली-हाउस निर्माण की योजना
- उच्च घनत्व वाले सघन सेब बागानों की योजना

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास

- राष्ट्रीय राजमार्गों पर 02 लेन एवं ढलान उपचार के 05 कार्य
- राज्य में 32 पुलों का निर्माण

आपदा प्रबंधन को मजबूती

- एसडीआरएफ के तहत अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे और बचाव उपकरणों को मजबूत करना
- देहरादून में राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (SEOC) का अपग्रेडेशन
- बलियानाला, जनपद नैनीताल में भूस्खलन की रोकथाम हेतु उपचार

शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं का विस्तार

- 20 मॉडल डिग्री कॉलेजों में होस्टल और कंप्यूटर लैब का निर्माण
- सोमेश्वर, अल्मोड़ा में 100 बिस्तरों वाला उप जिला अस्पताल
- चंपावत में 50 बिस्तरों वाले अस्पताल ब्लॉक का निर्माण
- रूद्रपुर में वेलो-ड्रोम निर्माण कार्य
- स्पोर्ट्स स्टेडियम, हल्द्वानी में एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान का निर्माण

चार धाम की भांति मानसखंड के मंदिर क्षेत्रों का विकास

- मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत जागेश्वर धाम, हाट कालिका एवं नैना देवी मंदिर में अवस्थापना सुविधाओं का विकास

गरिमामयी उपस्थिति

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड	अजय भट्ट कैबिनेट रक्षा मंत्री
मंत्री, उत्तराखंड सरकार	सांसद
सतपाल महाराज	डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'
गणेश जोशी	अजय टम्टा
धनसिंह रावत	कल्पना सैनी
प्रेमचंद अग्रवाल	नरेश बंसल
सुबोध उनियाल	रेखा आर्या
डॉ. धन सिंह रावत	रेखा वर्मा
रेखा आर्या	
सौरभ बहुगुणा	

12 अक्टूबर, 2023 (बृहस्पतिवार)
समय : अपराह्न 2:30 बजे

स्थान : श्री सुरेन्द्र सिंह बल्दिया
स्पोर्ट्स स्टेडियम, पिथौरागढ़

लोकार्पण
₹ 1349 करोड़ की 10 परियोजनाएँ

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास

- पीएमजीएसवाई के तहत 76 सड़कें
- पीएमजीएसवाई के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 25 पुल
- 09 जिलों में 15 ब्लॉक कार्यालय भवन
- केन्द्रीय सड़क निधि के अन्तर्गत 03 सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य
  - कौसानी - बागेश्वर रोड
  - धारी - डोबा - गिरेथिना रोड
  - नगला - किच्छा एस एच रोड डबल लेन
- राष्ट्रीय राजमार्गों को 2 लेन एवं सुदृढ़ीकरण करने का कार्य
  - एन एच 309 बी - अल्मोड़ा - पेट्सल - पनुआनौला - दन्या
  - एन एच - टनकपुर - चत्थी
- प्रदेश में 39 पुल एवं देहरादून में यूएसडीएमए भवन

पर्वतीय क्षेत्रों में पेयजल और बिजली सुविधाओं की उपलब्धता

- 38 ग्रामीण पंपिंग पेयजल योजनाएं और 03 ट्यूबवेल आधारित पेयजल योजनाएं
- 419 ग्रामीण ग्रेविटी पेयजल योजनाएं
- थरकोट, पिथौरागढ़ में कृत्रिम झील
- 132 केवी पिथौरागढ़-लोहाघाट-चंपावत ट्रांसमिशन लाइन

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

ड्रोन की ट्रेनिंग देकर 2 करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाएगी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अक्टूबर , मोदी सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं को ध्यान में रखकर एक और योजना शुरू करने जा रही है। नई तकनीक के कारण कृषि के क्षेत्र में लगातार क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहे हैं। मोदी सरकार देश में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को और सशक्त बनाने के लिए ड्रोन तकनीक से जोड़ेगी। सरकार महिलाओं को ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण देगी इसके बाद महिलाएं कृषि से जुड़े कार्यों में भी हिस्सा ले सकेगी।

2 करोड़ महिलाओं को जोड़ेगी सरकार

बता दें कि पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से दिए भाषण में इसका योजना का जिक्र किया था। सरकार ने इस योजना को 'लखपति दीदी' नाम दिया है। पीएम ने अपने 15 अगस्त के भाषण में कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए उन्हें ड्रोन तकनीक से जोड़ने का ऐलान किया था। पीएम ने कहा था स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को ड्रोन उड़ाने और उनके मरम्मत का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना के तहत सरकार 15 हजार स्वयं सहायता समूहों की 2 करोड़ महिलाओं को इस योजना से जोड़ेगी।

25 हजार जन औषधि केंद्रों का लक्ष्य

पीएम ने इस योजना की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान पीएम ने जन औषधि केंद्रों की संख्या 10 हजार से बढ़ाकर 25 हजार करने का निर्णय लिया है। पीएम ने इस साल के अंत तक इन योजनाओं को धरातल पर उतारने का फैसला किया है। पीएमओ की मानें तो इस योजना का लाभ न केवल स्वयं सहायता समूहों को मिलेगा बल्कि आंगनवाड़ी में काम करने वाली महिलाओं को भी इस योजना से जोड़ा जाएगा।

पीएम लगातार कर रहे समीक्षा बैठक

गौरतलब है कि पीएम मोदी स्वतंत्रता दिवस को लाल किले से की गई घोषणाओं और इस साल बजटीय घोषणाओं की लगातार स्वयं समीक्षा कर रहे हैं। बता दें कि पिछली बैठक में शहरी और मध्यम वर्ग को सस्ता मकान दिलाने के लिए ब्याज दर में राहत की योजना की समीक्षा की थी। इसके अलावा पीएम ने ग्रामीण क्षेत्रों में सौर उर्जा को बढ़ावा देने के लिए संबंधी योजना की भी समीक्षा की थी।

ठंड ने दरवाजे पर दी दस्तक, इन चीजों का करें सेवन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 अक्टूबर , ठंड के मौसम का हर किसी को इंतजार रहता है लेकिन इस मौसम में आपको अपनी सेहत के साथ भी पूरा सतर्क रहना पड़ेगा क्योंकि ठंड आते ही बीमारियों को अपने साथ लाता है फिर हमें जुकाम, खांसी जैसी समस्या होती है जिससे कई तरह की दिक्कत बढ़ जाती है अक्टूबर का महीना शुरू हो गया और इसके शुरू होते ही ठंडी ने भी अपनी दस्तक दे दी है. हर कोई अपना ठंडक को महसूस कर सकता है. कहते हैं ना कि दो पहर की ठंड होने लगी है आपको रात में हल्की ठंडक का एहसास होगा तो वहीं सुबह भी आपको हल्की ठंड लगेगी.

ठंड के मौसम का हर किसी को इंतजार रहता है लेकिन इस मौसम में आपको अपनी सेहत के साथ भी पूरा सतर्क रहना पड़ेगा क्योंकि ठंड आते ही बीमारियों को अपने साथ लाता है फिर हमें जुकाम, खांसी जैसी समस्या होती है जिससे कई तरह की दिक्कत बढ़ जाती है इसलिए इसमें आपको विशेष ध्यान रखने की जरुरत होती है. आज हम आपको कुछ चीजें बताएंगे जिसका आपको ध्यान रखना है.

घी और नारियल तेल का इस्तेमाल

अपने व्यंजनों में घी और नारियल तेल का ज्यादा इस्तेमाल करें. घी और नारियल का तेल शरीर के लिए काफी अच्छा होता है. घी का इस्तेमाल तो अक्सर लोग दाल, सब्जी में करते ही है. क्योंकि यह ठंड से बचाने में मदद करता है.

दालचीनी का प्रयोग

दालचीनी ठंड के मौसम में किसी औषधि से कम नहीं है. पहाड़ी इलाकों में इसका काफी इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि वहां लोगों को ठंड से बचाने में काफी मदद करता है. दालचीनी को आप चाय में मिलाकर, गर्म पानी में मिलाकर इस्तेमाल कर सकते है.

मसालों का इस्तेमाल

खाने में जितना हो सके उतना मसालों का इस्तेमाल करें क्योंकि यह भी हमारे शरीर में गर्मी पैदा करते हैं. नमक, इलायची, दालचीनी, लौंग, काली मिर्च, अदरक, लहसुन, प्याज और अजवाइन जैसे मसाले खाने को पचाने में मदद करते हैं.

गर्म खाने का ही सेवन करें

सर्दी में वैसे भी लोगों को गर्म खाना खाने की ही तलब लगती है और आप कोशिश भी करें कि आप सर्दियों के समय गर्म खाने का ही सेवन करें जो हमारे लिए काफी अच्छी होती है.

मलिन बस्तियों में भवन कर वसूली के नये नियम खत्म हों : राजकुमार

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 अक्टूबर , पूर्व विधायक राजकुमार ने अपर सचिव एवं निदेशक शहरी विकास उत्तराखंड नितिन भदौरिया से मिलकर उनसे दून नगर निगम की ओर से मलिन बस्तियों में भवन कर वसूली में जो नियम व शपथ पत्र, शर्तें व कडे नियम लागू किये गये है उन्हें तुरन्त निरस्त किये जाने का अनुरोध किया । उन्होंने कहा कि अन्यथा नये नियम के विरोध में कांग्रेस सडकों पर उतरकर आंदोलन करेगी।

उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में 582 बस्तियां है जो मान्यता प्राप्त है और जिससे वर्षो से पानी, बिजली, सड़क, नाली व हाउस टैक्स तथा अन्य सभी सुविधायें उपलब्ध करवा रख है और तत्कालीन दून नगर पालिका ने वर्ष 1992 में मलिन बस्तियों में हाएस टैक्स लगा दिया गया था तब मात्र पचास प्रतिशत प्रति कमरा लोगों को हाउस टैक्स दिया जाता था तथा शपथ पत्र भी नहीं लिया जाता था सिर्फ पानी, बिजली के बिल व सर्वे के अनुसार

बस्तियों में हाउस टैक्स लगा दिया जाता था।

उन्होंने कहा कि जिससे लोगों का निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा अन्य सुविधायें आसानी से ले लिया करते थे, परन्तु अब सभी सुविधायें बंद कर दी गई है और शपथ पत्र के अलावा कडे नियम लागू कर दिये गये है। उन्होंने कहा कि पिछली सभी सुविधायें बंद कर दी गई है और लोगों की सीनियरटी खत्म कर दी गई है और नगर पालिका के समय से तथा नगर निगम बनने के बाद जो मलिन बस्तीवासियों को सुविधा इन्डेक्स की और सीनियरटी से मिलती थी उसे दोबारा शुरू की जाये और जिससे लोग अपने निवास, जाति व पानी, बिजली आसानी से लगा सके और नये नियम को खत्म किया जाये।

उन्होंने कहा कि नये नियम में शपथ पत्र के साथ यह लिखा गया है कि मलिन बस्तीवासियों को मालिकाना हक का अधिकार भी नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अध्यादेश अधिनियम को खत्म कर मालिकाना हक देने की पुरानी प्रक्रिया का शुरू किया जाये जिससे 582 मलिन बस्तियों के साथ नये क्षेत्र ग्रामीण की जो बस्तियां नगर निगम में जुडी है उन्हें भी मालिकाना हक का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी बस्तीवासियों को वर्ष 2000 के सर्किल रेट से स्टाम्प शुल्क लेकर मालिकाना हक देने की प्रक्रिया शुरू की जाये। उन्होंने कहा कि अन्यथा सभी बस्तीवासी एकजुट होकर विरोध कर आंदोलन करेंगें।

उन्होंने कहा कि पूर्व में कांग्रेस की सरकार में दो अक्टूबर 2016 में जो नियम बनाये गये थे उनके अनुरूप चार सौ करोड़ का प्रावधान मलिन बस्तियों में रख रखाव के लिए किया गया था उसके अनुसार उस समय 70-80 लोगों को मालिकाना हक दिया गया था उसे दोबारा से शुरू किया जाये और नये नियम को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाये, अन्यथा व्यापक स्तर पर सड़कों में उतरकर आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर अपर सचिव एवं निदेशक शहरी विकास उत्तराखंड नितिन भदौरिया ने शीघ्र ही कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अपर सचिव एवं निदेशक शहरी विकास उत्तराखंड नितिन भदौरिया से मिलने वालों में पूर्व विधायक विजयपाल सिंह सजवाण, पूर्व विधायक राजकुमार शामिल रहे।

देहरादून से लखनऊ के बीच चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 अक्टूबर : उत्तराखंड को जल्द ही एक और वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। वर्तमान में देहरादून से दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन किया जा रहा है, अब खबर है कि जल्द ही देहरादून से लखनऊ के बीच भी वंदे भारत ट्रेन शुरू की जाएगी। इस हाईस्पीड ट्रेन के जरिए देहरादून से लखनऊ तक का सफर कम समय में पूरा किया जा सकेगा। यात्रियों को इससे बड़ी राहत मिलेगी।

वो महज कुछ ही घंटों में राजधानी देहरादून से यूपी की राजधानी लखनऊ तक का सफर पूरा कर सकेंगे। पहले इस ट्रेन का संचालन लखनऊ से दिल्ली के बीच करने की प्लानिंग थी, लेकिन इस रूट पर पहले से ही तमाम ट्रेनें चल रही हैं, अब इस ट्रेन का संचालन दून-लखनऊ के बीच होगा। इस ट्रेन में आठ कोच होंगे, जिनमें चेयरकार और एक्जीक्यूटिव चेयर कार की सुविधाएं होंगी। वंदे भारत एक्सप्रेस लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन से देहरादून के लिए सुबह चलेगी और रात में लखनऊ लौटेगी।

लखनऊ से ट्रेन 8 घंटे 15 मिनट में करीब 536 किलो मीटर की दूरी तय करेगी। इस यात्रा में पांच ठहराव स्थापित किए गए हैं। लखनऊ से यह ट्रेन सुबह करीब 5:15 बजे चलेगी। 8:33 बजे बरेली में दो मिनट के लिए, 9:52 बजे मुरादाबाद में पांच मिनट और 12:25 बजे हरिद्वार में 10 मिनट के लिए गाड़ी रुकेगी। इसके बाद दोपहर 1:35 बजे हर्रावाला स्टेशन ठहरेगी। उसके बाद दोपहर 2:25 बजे वहां से चलकर 3:25 बजे हरिद्वार, 5:40 बजे मुरादाबाद, 6:50 बजे बरेली आएगी। इसके बाद रात 10:40 बजे लखनऊ आएगी। ट्रेन का किराया 1200 से 1800 रुपये के बीच होना संभावित है। इस नवरात्र में समय सारणी और किराये की घोषणा हो सकती है। ट्रेन का रूट लखनऊ से हरदोई, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, नजीबाबाद, लक्सर, हरिद्वार और देहरादून तक होगा।

बदरीनाथ धाम पहुंचे क्रिकेटर सुरेश रैना, लिया भगवान बदरी विशाल का आशीर्वाद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 अक्टूबर : क्रिकेटर सुरेश रैना बदरीनाथ धाम पहुंचे। और उन्होंने भगवान बदरी विशाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना में भाग लिया। इस दौरान बदरीनाथ धाम के प्रभारी अधिकारी अनिल ध्यानी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वह रावल से आशीर्वाद लेने पहुंचे। इस दौरान उन्हें वहां देख धाम में दर्शन करने पहुंचे यात्रियों की भीड़ लग गई। मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि मौसम साफ होने के बाद अब बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ रही है। अभी तक 15,24,798 तीर्थयात्री बदरीनाथ धाम पहुंच चुके हैं। वहीं, कुल 16,09,913(सोलह लाख नौ हजार नौ सौ तेरह) तीर्थयात्री केदारनाथ धाम पहुंचे।

अंतिम अरदास के साथ बंद हुए श्री हेमकुण्ड साहिब जी के कपाट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 12 अक्टूबर , समुद्र तल से करीब 14,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित उच्च हिमालयी सिख आस्था के प्रमुख तीर्थ श्री हेमकुण्ड साहिब के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए है।आज प्रातः 10 बजे सुखमणि साहिब पाठ के साथ ही श्री हेमकुण्ड साहिब के कपाट बन्द की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई, जिसके पश्चात गुरु वाणी, शबद कीर्तन, साल की अंतिम अरदास तथा हुक्मनामा पढ़ने के पश्चात आखिरी में पंच प्यारों और सेना के इंजीनियर कोर की बैंड की अगुवाई में श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी को सर्च खंड में सुशोभित किया जाएगा।

दोपहर ठीक 1 बजे शीतकाल के लिए श्री हेमकुंड साहिब के कपाट बन्द किए गए। इस अवसर पर लगभग 2500 से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने की इस अलौकिक बेला के साक्षी बने। पुलिस द्वारा पवित्र निशान साहिब एवं कपाट बंद होने के अवसर पर मौजूद सभी यात्रियों को सकुशल गोविन्दघाट लाया गया। इस वर्ष 20 मई को प्रारम्भ हुई श्री हेमुकण्ड साहिब की यात्रा में 01 लाख 80 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने श्री हेमकुण्ड साहिब जी के सकुशल दर्शन किये।

जिनकी सुरक्षा हेतु पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव के नेतृत्व में चमोली पुलिस एवं SDRF द्वारा बर्फबारी, कड़कती ठंड, बारिश एवं आपदा के समय विपरीत परिस्थिति में मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी करते हुए श्री हेमुकण्ड साहिब की यात्रा पर आये श्रद्धालुओं की यात्रा को सरल एवं सुगम बनाया गया। सभी श्रद्धालुओं द्वारा जनपद पुलिस की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा व आभार प्रकट किया गया।

डालनवाला घर में चोरी के आरोप में नौकरानी सहित 2 गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 11 अक्तूबर। थाना डालनवाला क्षेत्र में एक घर में चोरी के आरोप में पुलिस ने नौकरानी सहित दो को गिरफ्तार किया है। बुधवार को दून पुलिस ने मामले का खुलासा किया।पीड़ित डॉ. ओम प्रकाश कुलश्रेष्ठ निवासी साकेत कालोनी देहरादून ने थाना डालनवाला में चोरी की तहरीर दी थी। जिसमें उन्होंने अपने घर पर काम करने वाली महिला प्रमिला चौधरी उर्फ सोनम द्वारा एक लाख 35 हजार नगद, घड़ी आदि सामान चोरी का आरोप लगाया था।

थाना डालनवाला में मामले में चोरी का मुकदमा पंजीकृत हुआ था। एसएसपी देहरादून ने प्रभारी निरीक्षक डालनवाला को मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए खुलासा करने के निर्देश दिए थे।

गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे चैक किये और संदिग्धों से पूछताछ की। सर्विलांस व मुखबिर की सूचना पर किए अथक प्रयासों से घटना में शामिल अभियुक्ता प्रमिला और उसके सहयोगी विकास क्षेत्री को घर से चुराई गयी

नगदी, घड़ी व चोरी के पैसों से खरीदी गई एक टीवीएस राइडर मोटर साइकिल बिना नम्बर प्लेट के साथ 10 अक्तूबर को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से कुल 45 हजार रुपए नकद बरामद किए। चोरी के पैसों में से शेष रुपये उनके द्वारा टीवीएस राइडर मोटर साइकिल को फाईनेंस कराने में खर्च किये है। दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

संपादकीय

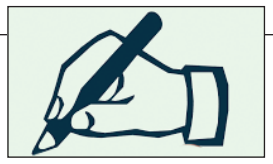

भारत की अलग-अलग आवाजें

कांग्रेस कार्यसमिति ने प्रस्ताव पारित कर फिलिस्तीन के मुसलमानों की जमीन, स्व-शासन, गरिमा और सम्मान के साथ जीने के अधिकार को समर्थन दिया है। तत्काल संघर्ष-विराम का आह्वान किया है। इजरायल पर भारत ने बयान जारी कर हमास के आतंकी हमले की भर्त्सना की है। यह युद्ध आतंकवाद के खिलाफ ही है। इजरायल ने फिलिस्तीन की हुकूमत वाले इलाके पर न तो बयान दिया है और न ही हमले की एक भी कोशिश की है। अलबत्ता दोनों मुल्कों के बीच कई मुद्दे लंबित और विचाराधीन हैं। इस मुद्दे पर भारत के प्रधानमंत्री मोदी का बयान ही पर्याप्त और अधिकृत है। देश विभाजित मानसिकता का नहीं दिखना चाहिए। कांग्रेस कार्यसमिति के प्रस्ताव के अलावा, राजधानी दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) और जामिया मिल्लिया यूनिवर्सिटी ने भी फिलिस्तीन के पक्ष में जुलूस निकाले, फिलिस्तीन की स्वतंत्रता की मांग की और इजरायल की भूमिका पर सवाल उठाए। विश्वविद्यालयों के परिसरों में पर्चे, पोस्टर भी निकाले गए। सवाल है कि क्या फिलिस्तीन इजरायल का 'गुलाम देश' है? जेएनयू छात्र संघ की अध्यक्ष आइशी घोष ने 'एक्स' (ट्विटर) पर लिखा है कि कब्जा करने वाले और उत्पीडक़ देश इजरायल को 'रक्षा के अधिकार' पर भाषण देने का कोई अधिकार नहीं है। दरअसल यह मुद्दा ही नहीं है। इजरायल और फिलिस्तीन के भू-भाग संबंधी विवाद बिल्कुल भिन्न हैं। फिलहाल इजरायल पर हमास के आतंकियों ने हमले किए हैं, हत्याएं की हैं और सैकड़ों लोगों को बंधक बना कर रखा है। इजरायल ने उसका पलटवार किया है। यह उसका नैतिक और राष्ट्रीय अधिकार है। ऐसे हमले, पलटवार विध्वंसक ही होते हैं। उन पर संयुक्त राष्ट्र संघ भी अंकुश नहीं लगा पाया है। तो भारत से उठने वाली अलग-अलग आवाजों के मायने क्या हैं? अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के छात्रों ने भी फिलिस्तीन के समर्थन में जुलूस निकाला और 'अल्लाह-हू-अकबर' के नारे लगाए। क्या मौजूदा इजरायल-हमास युद्ध धार्मिक कारणों पर शुरू हुआ है? सांप्रदायिक विभाजन भारत में बहुत ही गहरा है। हरेक मुद्दे को मुस्लिम-गैर मुस्लिम के चश्मे से आंका जाता है। यह सियासत देशहित में कभी भी नहीं रही और न आज है। इजरायल का एक उदाहरण लिया जा सकता है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक बड़ा जन-आंदोलन सडक़ों पर जारी था। जनता सरकार के कथित न्यायिक सुधारों के पक्ष में नहीं थी। अचानक हमास के आतंकियों ने हमला बोल दिया। इजरायल का सशक्त, आजमाया हुआ, रक्षा-कवच जैसा पूरा सिस्टम ध्वस्त कर दिया गया। सभी की नाकामी बेनकाब हो गई। इजरायल के अस्तित्व का सवाल सामने है। चूंकि देश पर आक्रमण किया गया है, लिहाजा सत्ता, विपक्ष और आम जनता एक मु_ी की तरह साथ-साथ हैं। पूर्व प्रधानमंत्री बेनेट भी आरक्षित सेना में ड्यूटी निभा रहे हैं। इसे ही 'राष्ट्रीय सामूहिकता' कहते हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

श्रीनगर : घास लेने गई महिला को गुलदार ने बनाया निवाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 अक्टूबर : उत्तराखंड में गुलदार के हमलों के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। बीते दिन श्रीनगर में कीर्ति नगर ब्लॉक के ग्राम पंचायत नौर में घास लेने जंगल गई एक महिला पर गुलदार ने हमला कर दिया। इस दौरान महिला की मौके पर ही मौत हो गई।उत्तराखंड में गुलदार के हमलों के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं।बता दें कि प्रदेश में मानव-वन्यजीव संघर्ष में इस वर्ष अब तक 40 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इनमें से 13 लोगों की जान गुलदार ने ली है। वहीं, वर्ष 2000 से अब तक गुलदार के हमले में 514 लोगों की जान गई है, जबकि 1868 लोग घायल हुए हैं। वहीं, वर्ष 2000 से अब तक 1741 गुलदारों की मौत रिकॉर्ड में दर्ज है।

ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025 के तहत स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

■ मादक पदार्थों तथा अवैध शराब की तस्करी में लिप्त तस्करों के विरुद्ध दून पुलिस की कार्यवाही

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 11 अक्तूबर। मुख्यमंत्री उत्तराखंड पुष्कर सिंह धामी के ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025 के विजन के तहत दून पुलिस ने 6.15 ग्राम अवैध स्मैक और 75 पव्वे देशी शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। जबकि 2 स्कूटी सीज की गई।एसएसपी देहरादून अजय सिंह के निर्देशन में दून पुलिस की अवैध गतिविधियों में लिप्त तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में पुलिस द्वारा दौरान चेकिंग अलग-अलग थाना क्षेत्र से दो व्यक्तियों को 6.15 ग्राम अवैध स्मैक तथा 62 पव्वे देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।केस 1 - सेलाकुई थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार करते हुए तस्करी में प्रयुक्त की जा रही स्कूटी को सीज किया गया। आरोपी आकिब मिर्जा निवासी सहारनपुर रोड हरबर्टपुर कोतवाली विकास नगर जनपद देहरादून उम्र 30 वर्ष है। जिसके पास 6.15 ग्राम अवैध स्मैक और एक्टिवा सीज की गई है।केस 2 - नेहरु कॉलोनी पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को 62 पव्वे देशी शराब को स्कूटी में परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया। आरोपी अशोक कुमार निवासी दीपनगर थाना नेहरू कॉलोनी देहरादून उम्र 32 वर्ष है। देशी शराब के साथ आरोपी की एक्टिवा सीज की गई।

वाहन रिकवरी के लिए एजेंसी लोनकर्ता को नहीं रोकेगी : एसएसपी अजय सिंह

देहरादून 11 अक्तूबर। वाहन रिकवरी के दौरान नियमों का पालन न करने वाले एजेंसीज के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही होगी। बुधवार को एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने लगातार मिल रहीं शिकयतों का संज्ञान लेते हुए सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए।एसएसपी देहरादून को शिकायते प्राप्त हो रही है कि फाइनेंस कंपनियों द्वारा अधिकृत रिकवरी एजेंसीज लोन लेने वाले ग्राहकों से अभद्रता कर रही हैं। रिकवरी के दौरान कस्टमर को कहीं भी रोककर उनसे अभद्रता करते हुए गाड़ियों की रिकवरी की जा रही है। साथ ही गाड़ियों की रिकवरी के समय संबंधित थानों को सूचित नहीं किया जा रहा है। जबकि नियमानुसार फाइनेंस कंपनियों की तरफ प्राधिकृत रिकवरी एजेंसीज को जिस क्षेत्र से भी गाड़ियों की रिकवरी करनी हो संबंधित थाने को सूचित करना अनिवार्य है। गाड़ियों को रिकवर करते समय संबंधित व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता न करते हुए उक्त व्यक्ति को अपने वाहन से उसके गंतव्य तक छोड़ना अनिवार्य है। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए एसएसपी देहरादून ने सभी थाना प्रभारियो को अपने थाना क्षेत्रों में स्थित फाइनेंस कंपनियां की लिस्टिंग करते हुए उन्हें नोटिस जारी करने तथा उनके साथ गोष्ठी कर उन्हें नियमों के संबंध में अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। भविष्य में यदि किसी फाइनेंस कंपनी द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से किसी व्यक्ति के साथ अभद्रता करने, गाड़ी छीनने अथवा मारपीट करने संबंधी शिकायते आने पर संबंधित फाइनेंस कंपनी के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत करते हुए कठोर वैज्ञानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है। जबकि सभी रिकवरी एजेंसीज का सत्यापन भी सुनिश्चित होगा।

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल 16 अक्तूबर को करेंगी देहरादून की विभूतियों को सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 11 अक्तूबर। बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स एवं बंटी एंटरटेनमेंट ग्रूवी एंजेल को 16 अक्टूबर को देहरादून की विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली विभूतियों सम्मानित करेगा। गदर फिल्म की अदाकारा अमीषा पटेल सम्मान समारोह ₹ इंडिया स्टार अचीवर्स अवॉर्ड्स 2023₹ की मुख्यातिथि होंगी।सेलिब्रिटी गेस्ट गदर फिल्म की बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित करेंगी।

बुधवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब में आयोजकों ने प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी। आयोजक अमित गुप्ता, गुरुचरण लाल सदाना और शो के डायरेक्टर जुलफुकार टाइगर है। अमित गुप्ता ने बताया कि वे पिछले कई सालों से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं और बड़ी-बड़ी अवॉर्ड्स नाइट एवं सेलिब्रिटी इवेंट्स करते रहे हैं। इसी क्रम में अब इस बार देवभूमि उत्तराखंड देहरादून में बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल आफ आर्ट्स के साथ मिलकर वह होटल सरोवर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन करने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स जो की जुल्फुकार टाइगर और गुरुचरण लाल सदाना चला रहे हैं। बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्टस के छात्रों को भी इससे प्रोत्साहन मिलेगा और कुछ सीखने को मिलेगा। सम्मान समारोह में विभिन्न कैटिगरीज में देश भर से कई लोगों को सम्मानित किया जा रहा है जो कि समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है।प्रेसवार्ता में जुल्फुकार टाइगर ने बताया कि बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स पिछले 23 सालों से टीए देहरादून में चल रहा है और उनका मकसद छात्रों को फिल्म जगत की हस्तियों से रूबरू कराना और फिल्म इंडस्ट्री के गुरों को सिखाना रहा है। इससे पूर्व भी वह कई आयोजन ऐसे कर चुके हैं। जिसमें बॉलीवुड से जुड़ी हस्तियां छात्रों से रूबरू होकर उनको काम के टिप्स देती रही है। आयोजक अमित गुप्ता गुरुचरण लाल सदाना, शो डायरेक्टर जुल्फुकार टाइगर, शोएब साबरी, इमरान अहमद सहित अन्य मौजूद रहे।

इस देश में की जाती है अपराधियों की पूजा, चढ़ावे में अर्पित की जाती है शराब

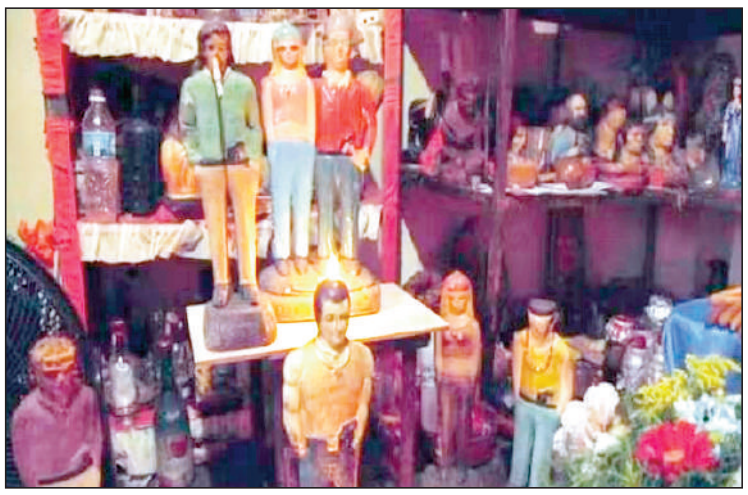

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 अक्टूबर : ऐसा कोई भी नहीं होगा जिन्हें अपराधियों से दूरी बना कर रहना पसंद नहीं हो। समाज ऐसे लोगों से ना ही कोई रिश्ता रखना चाहता है और ना ही इन्हें अपने घर में आने की इजाजत देता है। लेकिन हमारे इसी समाज में एक ऐसा देश है जो इन अपराधियों की पूजा करता है। यहां के लोग अपराधियों को भगवान के तरह पूजते हैं। आपको यह सब सुनकर थोड़ा अजीब लग रहा होगा लेकिन यही सच्चाई है।

दरअसल लैटिन अमेरिका के वेनेजुएला में लोग अपराधियों की पूजा करते हैं। यहां के लोग इस दुनिया से गुजर चुके अपराधियों की मूर्ति बनाकर उन्हें पूजते हैं। स्पेनिश भाषा में इन अपराधी देवताओं को सैंटोस मैलेंड्रोस कहते हैं। पहले के समय के सभी बदनाम अपराधियों के छोटी-छोटी मूर्तियों को एक जगह पर रखा गया है जिसके दर्शन के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। आइए जानते हैं आखिर इन अपराधियों की पूजा क्यों की जाती है। वेनेजुएला में जनता के बीच इन अपराधियों की छवि रॉबिनहुड वाली रही है। ये सभी अपराधी अमीर लोगों की दौलत लूटकर गरीब लोगों के बीच बांट देते थे। यहां के लोग इन अपराधियों की पूजा इसलिए करते हैं क्योंकि इन्होंने किसी की किसी की हत्या नहीं की। सिर्फ अमीरों को लूटा और गरीबों पर लुटाया।स्थानीय लोगों का मानना है कि मैलेंड्रो ने अच्छा काम किया है जिसके लिए इन्हें कुछ इनाम दिया जाना चाहिए।

अगर इनकी पूजा-अर्चना नहीं की जाएगी तो ये हमसे खफा हो जाएंगें। जिस तरह से हमारे भारत में किसी मन्नत के पूरा होने पर चढ़ावा चढ़ाया जाता है ठीक उसी तरह वेनेजुएला के सैंटोस मैलेंड्रोज को भी चढ़ावा चढ़ाया जाता है।अगर वेनेजुएला में कोई इंसान किसी बात से परेशान है, तो वो मैलेंड्रो से मन्नत मांगता है। काम हो जाने के बाद इन सैंटोस मैलेंड्रो को चढ़ावा में शराब चढ़ाया जाता है। लोगों की मान्यता है कि ये खुश होकर उन्हें वरदान देते हैं और उनका काम बन जाता है। हां लोग इस बात की सलाह देते हैं कि इन अपराधियों को चढ़ावे में ज्यादा शराब नहीं दी जानी चाहिए। वरना, ये काम छोड़कर जश्न मनाने में मशगूल हो जाएंगे। बेहतर होगा कि इन्हें चखने भर के लिए बीयर दी जाए, ताकि लोगों का काम भी बन सके।

डिप्रेशन की स्थिति में इस तरह से रखे अपना ख्याल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 अक्टूबर : डिप्रेशन यानी अवसाद की समस्या आज बेहद आम है। कई बार अवसाद हम पर कुछ इस तरह हावी हो जाता है कि मन में आत्महत्या तक के विचार घर कर जाते हैं। लेकिन अगर शुरुआत में ही डिप्रेशन के लक्षणों को पहचानकर आप इन्हें दूर करने का प्रयास करें तो बिना किसी डॉक्टरी उपचार के आप डिप्रेशन से छुटकारा पा सकते हैं।सबसे पहले डिप्रेशन दूर करने के लिए आठ घंटे की नींद लें। नींद पूरी होगी तो दिमाग तरोताजा होगा और नकारात्मक भाव मन में कम आएंगे।प्रतिदिन सूरज की रोशनी में कुछ देर जरूर रहें। इससे अवसाद जल्दी हटेगा।बाहर टहलने जाएं। रोज बाहर टहलें, कभी-कभी कॉफी शॉप में कुछ समय बिताएं या बाहर खाना खाने जाएं। इससे मन में उत्साह बना रहेगा।अपने काम का पूरा हिसाब रखें। दिन भर में आप कितना काम करते हैं और किस गतिविधि को कितना समय देते हैं इस पर जरूर गौर करें। इससे आपको सभी गतिविधियों के बीच संतुलन बनाने में आसानी होगी और तनाव कम होगा।ध्यान व योग को दिनचर्या में शामिल करें।क्या आपको बहुत ज्यादा गुस्सा आता है? छोटी-छोटी बातों पर आपको गुस्सा आता है या फिर एक बार गुस्सा आ जाए तो खुद को शांत करना आपके बस में ही नहीं होता? अगर आप गुस्से पर नियंत्रण से संबंधित किसी भी समस्या से जूझ रहे हैं तो जरा इन उपायों पर गौर करें एक बार जब आपने अपने गुस्से पर थोड़ा नियंत्रण कर लिया तो शांत दिमाग से सोचें कि मुद्दा क्या था, गलती किसकी थी और अब आगे क्या करना है। इससे फायदा यह होगा कि आपको पूरे मामले में अपनी गलती भी समझ में आ जाएगी।अब आप अपनी बात सामने वाले के आगे सौम्यता से रखें। अगर कहीं आपकी गलती है तो सबसे पहले माफी मांग लें जिससे आपको अपनी बात कहने में संकोच न हो। इस तरह किसी भी परिस्थिति में क्रोध पर नियंत्रण पाने के इस उपाय पर हमेशा अमल करने से धीरे-धीरे आपका गुस्सा खुद ही कम होने लगेगा।

इस देश में पतला नहीं मोटा होने के लिए लड़कियां करती हैं ज्यादा प्रयास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 अक्टूबर : ज्यादातर लड़कियां पतली होने के लिए तरह-तरह के प्रयास करती हैं, लेकिन दुनिया में एक देश ऐसा भी है जहां न केवल मोटी लड़कियों को पसंद किया जाता है बल्कि लड़कियां मोटी होने के लिए अतिरिक्त प्रयास भी करती हैं। इस देश में मोटी लड़कियों को भी भाग्यशाली माना जाता है।

आपको यह जानकर खुशी होगी कि इस देश में लड़के भी शादी के लिए पतली नहीं बल्कि मोटी लड़कियों की तलाश में रहते हैं। इस देश का नाम है मॉरीशस. मॉरीशस के लोग मोटी लड़कियों से शादी करना पसंद करते हैं। क्योंकि यहां मोटी लड़कियों को भी भाग्यशाली माना जाता है। अच्छी बात यह है कि यहां की लड़कियां वजन कम करने के लिए किसी जिम या व्यायामशाला में नहीं जातीं।

मॉरीशस में लड़कियां खाने-पीने पर पूरा ध्यान देती हैं। इससे वे मोटे हो सकते हैं। मॉरीशस में अगर शादी के समय किसी लड़की का वजन अधिक हो तो उसके ससुराल वाले बहुत खुश होते हैं। यहां लड़की का अधिक वजन होना अच्छा माना जाता है। अगर लड़की पतली है तो उसे शादी तक खूब खाने-पीने की सलाह दी जाती है। जिससे उनका वजन बढ़ सके.

इसके अलावा लड़कों को शादी के लिए स्वस्थ लड़की चुनने की भी सलाह दी जाती है। मॉरीशस में शादी के अन्य रीति-रिवाजों और परंपराओं के साथ, यह माना जाता है कि अगर लड़की का वजन अधिक है, तो यह खुशी और भाग्य लाएगी। यहां के लोग अपनी बेटियों को डाइटिंग और वजन कम करने से हतोत्साहित करते हैं।

जिस लड़की का वजन कम हो जाता है उसे शादी में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए उन्हें खूब खाने-पीने की सख्त हिदायत दी जाती है। लड़कों से कहा जाता है कि वे शादी के बाद अपनी पत्नी को अच्छा खाना खिलाएं ताकि उनके परिवार में खुशियां और सौभाग्य आए। यदि पत्नी का वजन अधिक है, तो परिवार में अधिक भाग्य होता है।